श्रीमती परमिंदर चोपड़ा

अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक

डीआईएन: 08530587

कैबिनेट की नियुक्ति समिति (एसीसी) के अनुमोदन पर, विद्युत मंत्रालय ने श्रीमती परमिंदर चोपड़ा को पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन लिमिटेड (पीएफसी) के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक के रूप में नियुक्त किया है। इससे पहले, इन्होंने दिनांक 01.06.2023 से अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक (सीएमडी) का अतिरिक्त प्रभार संभाला और दिनांक 01.07.2020 से निदेशक (वित्त), पीएफसी के पद पर नियुक्त थीं।

निदेशक (वित्त) के रूप में अपने कार्यकाल के दौरान, इन्होंने वित्त प्रभाग का नेतृत्व किया, जिससे उच्चतम निवल लाभ, उच्चतम नेट वर्थ और निम्नतम एनपीए स्तर प्राप्त हुआ। इस तरह के सुदृढ़ वित्तीय कार्य-निष्पादन ने पीएफसी को महारत्न का सर्वोच्च दर्जा प्राप्त करने में भी मदद की। इन्होंने विद्युत वितरण क्षेत्र के लिए ₹1.12 ट्रिलियन लिक्विडिटी इंफ्यूजन स्कीम (एलआईएस) के सफल कार्यान्वयन में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, जिसे भारत सरकार द्वारा आत्मनिर्भर भारत पहल के भाग के रूप में शुरू किया गया था।

इन्हें विद्युत और वित्तीय क्षेत्र में 35 वर्ष से अधिक का विविध अनुभव प्राप्त है। पीएफसी में, ये संसाधन जुटाव (घरेलू और अंतरराष्ट्रीय बाजार), बैंकिंग, ट्रेजरी, परिसंपत्ति देयता प्रबंधन और दबावग्रस्त परिसंपत्ति समाधान सहित प्रमुख वित्त कार्यों का नेतृत्व कर रही थीं। उनके पूर्व अनुभव में एनएचपीसी लिमिटेड और पावर ग्रिड कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड जैसी विद्युत क्षेत्र की बड़ी कंपनियों में सेवाएं शामिल हैं। इन्हें विद्युत एवं वित्तीय क्षेत्र में अनुभव का एक साथ उपयोग करने और पीएफसी की परिवर्तनकारी यात्रा का नेतृत्व करने की अभूतपूर्व स्थिति में कार्य करने का अवसर मिला।

कार्यभार संभालने के साथ ही, ये विद्युत और इंफ्रास्ट्रक्चर क्षेत्रों के वित्तपोषण के अलावा भारत के ऊर्जा परिवर्तन लक्ष्यों के वित्तपोषण में पीएफसी की महत्वपूर्ण भूमिका को गति प्रदान करेंगी। उनके नेतृत्व में, भारत के सबसे बड़े नवीकरणीय ऊर्जा वित्तपोषक के रूप में पीएफसी ने इलेक्ट्रिक वाहनों, जैव ईंधन, राउंड द क्लॉक जैसे हाइब्रिड नवीकरणीय ऊर्जा, नवीकरणीय उपकरण विनिर्माण आदि सहित स्वच्छ ऊर्जा परियोजनाओं के लिए वित्तपोषण में उल्लेखनीय वृद्धि की है तथा हाल ही में स्वच्छ ऊर्जा डेवलपर्स के साथ ₹2.40 लाख करोड़ के समझौता-ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं और स्वच्छ ऊर्जा परियोजनाओं के प्रमुख वित्तपोषक के रूप में उभर रहे हैं। वे संशोधित वितरण क्षेत्र योजना (आरडीएसएस) और विलंब भुगतान अधिभार (एलपीएस) नियमावली सहित भारत सरकार की प्रमुख विद्युत क्षेत्र की पहलों के कार्यान्वयन में सहायता प्रदान करना जारी रखेंगी।

श्रीमती परमिंदर चोपड़ा के पास दिल्ली विश्वविद्यालय से वाणिज्य में स्नातक डिग्री है और ये योग्य कॉस्ट एवं मैनेजमेंट एकाउंटेंट हैं। इनके पास बिजनेस मैनेजमेंट में स्नाकोत्तर डिप्लोमा भी है। इन्होंने विश्व प्रसिद्ध संस्थानों जैसे हार्वर्ड यूनिवर्सिटी, यूएसए और यूरोपियन स्कूल ऑफ मैनेजमेंट में जोखिम प्रबंधन और वैश्विक प्रबंधन पर एडवांस कार्यक्रमों में भाग लिया है।

31.03.2023 तक, श्रीमती परमिंदर चोपड़ा के पास कंपनी के 2000 इक्विटी शेयर थे।